महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना

उद्धाटन समारोह

दिनांक: 16 जून 2012

Venue: Hotel Regency, Nowgong Road,
Dist: Chhatarpur, Madhya Pradesh

विधायिका श्रीमती ललीता यादव कार्यक्रम का उद्घाटन करते

महिला किसान सशक्तिरण परियोजना का शुभारंभ

दिनांक 16.06.2012 को परियोजना का शुभारंभ होटल रिजेन्सी में एक्शन फॉर सोशल एडवान्समेंट (आसा) संस्था द्वारा किया गया । आसा संस्था द्वारा क्रियान्वित परियोजना के उद्धाटन समारोह में मुख्य अतिथी के तौर पर ***विधायिका श्रीमती ललीता यादव*** ने कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मौजूद 1000 महिलाओ को महारानी लक्ष्मी बाई का उदारहण देते हुए बुल्देलखण्ड की महिलाओं को परियोजना के माध्यम से सक्षक्त बनने का आवाहन किया

उन्होने कहॉ कि – *बुन्देलखंड की महिला विरागंना लक्ष्मी बाई है वह पूरे वर्ष भर खेती किसानी का कार्य करती है परंतु किसान महिला नही पुरूष कहलाता है । पुरूष के नाम पर जमीन होती है व उसका मलीकाना हक होता है इसलिए वह किसान कहलाता है, महिला के नाम पर जमीन नही होती इसलिए आज तक महिला किसान बन पाई*

इसी तारतम्य में *श्री एच.बी. द्विवेदी ने महिला को संगठित होने की अपील करते हुए कहा कि महिला शक्ति को परियोजना के द्वारा सशक्त किया जावेंगा ताकि उन्हे वर्ष भर आजीविका हेतु मजदूरी पर नही जाना बड़े व अपने बच्चों का भारण पोषण अपने आप कर सके,*

आसा की *टीम लीडर श्री प्रवीन शर्मा ने परियोजना के बारे में बताते हुए कहॉ कि इस परियोजना के द्वारा लगभग 350 स्वयंसहायता समूह का गठन कर 4000 परिवारों को लाभान्वित किया जावेगा । यह परियोजना छतरपुर के 2 ब्लाक (नोगांव तथा बिजावर) में संचालित होगी तथा इस परियोजना के द्वारा महिलाओं को संगठित कर महिला प्रोड़सर कम्पनी का गठन भी किया जावेगा । इस कंम्पनी के माध्यम से कषि आदानों जैसे खाद, बीज, कीटनाशक दवाए एवं कषि उपकरणों को कम कीमत पर उपलब्ध कराया जायेगा ।*

महिलाओं द्वारा संचालित कंपनी का मालिकाना हक भी महिलाओं का होगा परियोजना के माध्यम से प्रर्दशन प्लाट, कुए, स्टाप डेम, आदी का निर्माण किया जावेगा । संम्पूर्ण परियोजना का संचालन स्वयं सहायता समूह का गठन कर क्रियान्वयन होगा ।

परियोजना के उद्घाटन समारोह में कषि विभाग के ***श्री बी.पी.सिंह. ने अपने विभाग की समस्त योजनाओं की जानकारी दी तथा तेजस्वीनी डी.पी.एम. श्री संदीप सोनी ने भी अपनी परियोजना की जानकारी देते हुए महिलाओं से एकजुट होने की अपील की । तथा कषि विज्ञान क्रेन्द्र के समन्वयक श्रीमति वीणापानी ने महिलाओं को एकीकत कषि तथा फलोउद्यान के गुण सीखाये एवं डी.पी.आई.पी के श्री अशोक ठाकुर जी ने सब्जी उत्पादन की जानकारी दी*** । समारोह के आसा के विभिन्न पदाधिकारी श्री अजय गुप्ता, श्री अनिल शर्मा, जे.पी.त्रिवेदी, पवन मिश्रा,धीरनेन्द्र ताम्रकार, सत्यजीत शुक्ला, विपीन तिवारी, मनोज पाठक सुष्मा विश्वकर्मा, आशिश वर्मा, महेन्द्र वासुदेव, गणेश कड़वे तथा समस्त कार्यक्रर्ता उपस्थित थे ।

863036 हेक्टेयर (आठ लाख त्रेसठ हजार छत्तीस हेक्टेयर) क्षेत्रफल तथा 1074 मिलीमीटर वर्षा वाले छतरपुर में आसा कुल 81 गांव और 6284 परिवारों के साथ काम कर रही है जिसमें संगठन शक्ति के रूप में 236 SHG 231 PG तथा 9 WDC व 9 WUG है ।

ग्रामिण विकास विभाग, भारत सरकार की महत्वाकांक्षी महिला किसान सशक्तिरण परियोजना मध्यप्रदेश में आरंभ कि गई है, परियोजना केन्द्र एवं राज्य शासन के संयुक्त प्रयास से क्रियान्वित की जा रही है परियोजना का मुख्य उद्देश्य महिला किसान की कृषि आधारित आजिविका को सुनिश्चित करना है परियोजना का एक महत्वपूर्ण घटक केन्द्र एवं राज्य शासन की विभिन्न परियोजनाओ का अभिशरण भी है जिसमें जल एंव मृदा संरक्षण तथा संवर्ध्दन की गतिविधियों का एक महत्वपूर्ण अंग है ।

MKSP का उद्देश्य – महिला किसान सशक्तिरण परियोजना के जरिये केन्द्र खेती किसानी करने वाली महिलाओं को उन कार्यो का प्रषिक्षण देना चाहती है जिससे उनकी आजिविका का उन्नयन हो सके उन्हे खेती की उन्नत तकनीक सिखाने के साथ ही कृषि से संबंधित अन्य कार्यो के जरिये आय बढ़ाने के उपाय सिखाये जायेगे, साथ ही उनके खान–पान के तरीको में भी सुधारकर कार्यक्षमता बढ़ाई जाएगी ।

परियोजना से लाभ – लम्बी अवधि तक चलने वाली यह परियोजना यहा की महिलाओं को स्वरोजगार के अवसर मोहैया कराएगी इससे कृषि क्षेत्र में महिलाओं समूह की भागीदारी बढ़ेगी । परिणामतः उनकी आय में वृध्दि होगी खास बात यह भी है कि परियोजना की समाप्ति पर सहभागी महिला समूहो का इसकी परिसंम्पत्तियों पर अधिकार होगा परियोजना से कृषि क्षेत्र में महिलाओं की आय में वृध्दि, महिलाओं एवं उनकें परिवारों को पोषक खाद्य, भरण पोषण में सुधार, महिलाओं द्वारा कृषि कार्य एवं फसल उत्पादन में वृध्दि, कृषि क्षेत्र में महिलाओ की भागीदारी को बढ़ाना, कृषि क्षेत्र में महिलाओं का उत्पाद योग्य भूमि, फसल आच्छादन, साख, तकनीकि बाजार में सुचनाए आसानी से मिलने की संम्भावना बढ़ेगी, साथ ही महिला स्वयंसहायता समूह, उनके महासंघों, गैर सरकारी संस्थाओं और कृषक समूह के बीच क्रियाकलाप भी बढ़ेंगा ।

कितनी राशि खर्च होगी – इस परियोजना पर 75% राशि केन्द्र सरकार और 25% राशि राज्य सरकार द्वारा वहन की जावेगी ।

परियोजना का लक्ष्य – कृषि क्षेत्र में व्यवस्थित निवेश करके आजिविका हेतु महिलाओं की भागीदारी बढ़ाना, परिवार एवं सामुदाय स्तर पर खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना, साथ ही ग्रामिण इलाके की समुदाय आधारित महिला संस्थानों को कृषिजन्य आजिविका संबंधी क्रियाकलापों हेतु सक्रिय करना, स्थानिय संसाधन एवं पर्यावरण के अनुकूल तकनीकी का उपयोग भी इसके उद्देश्य में निहित है।

कुछ प्रमुख बिन्दु – परियोजना के संबंध में ग्रामीण विकास विभाग की इस परियोजना के तहत महिलाओं को प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष रूप में पूरा सहयोग प्रदान किया जाएगा । इसके लिए जरूरत के मुताबिक शैक्षणिक चक्र चलाने की भी योजना है । वही समूचित टेक्नोलाजी व कृषि

व्यवस्था के जरिये महिला सशक्तिरण की इस परियोजना को धरातल पर उतारेगा । इससे सही मायने में लाभकारी बनाने का प्रयास किया जावेगा ।

स्वर्ण जयंति ग्रामिण स्वरोजगार योजना को अब नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन (एनआरएलएम) के रूप में जाना जाएगा । भारत सरकार द्वारा एसजीएसबाई की जो पूनसरंचना की गई है उसमें सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि नए मिशन में महिला किसान सशक्तिरण को खास तबोजों दी गई है तात्पर्य यह है कि नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन (एनआरएलएम) की उपघटक होगी महिला किसान सशक्तिरण परियोजना । 1 अप्रैल 2012 से लागू होने वाली इस मिशन से संबंधित प्रोजेक्ट रिर्पोट जारी करने के निर्देश राज्य सरकार के ग्रामिण विकास विभाग द्वारा जारी किये गये है। दरअसल भारत सरकार स्वर्णजयंति ग्रामिण स्वरोजगार योजना कि पुनः सरचना कर रही है और योजना को आजिविका से जोड़ते हुए इसे नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन (एनआरएलएम) का नाम दिया गया है। खासकर ग्रामिण क्षेत्र आजिविका का मिशन का प्रारूप देने की खातीर इसे प्रोफेशल, एक्सपर्ट तथा गैर सरकारी संगठनों के समर्थन व सहयोग को प्रमुखता से समायोजित किया गया है मिशन के रूप में पुर्नगठित

कि गई योजना स्व–सहायता समूह के माध्यम से गरीबी कम करने में सहायक साबित होगी । ग्रामिण विकास विभाग द्वारा जारी निर्देश में यह भी उल्लेख किया गया है कि गरीबी रेखा से निचे बसर करने वाले शिक्षित बेरोजगारों के प्लेसमेंट के लिए कौशल विकास में भी यह मिशल सहायक होगा । नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन (एनआरएलएम) को महिला सशक्तिरण से जोड़क इसे और समध्द किया गया है महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन (एनआरएलएम) का उपघटक होगी । व महिला किसानो की विशेष आवश्यकताओ की पूर्ति व ग्रामिण महिला किसानो के आर्थिक सामाजिक व तकनीकि सशक्तिरण की लक्ष्य पूर्ति में उपघटक के तौर पर महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना सहायक साबित होगी केन्द्र सरकार के ग्रामिण विकास मंत्रालय ने केन्द्र व राज्य की 75% राशि केन्द्र सरकार और 25% राशि राज्य सरकार के साथ 100 करोड रू की राशि आबंटित की है, खास आधार के तहत महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना नेशनल रूरल लाइवलीहुड मिशन के तहत जोड़ा गया है। एन एस एस ओ की रिपोर्ट की मुताबिक कृषि क्षेत्र में 80 प्रतिशत महिलाओं की हिस्सेदारी मानी गई है। यही नही कृषि मजदूर शक्ति में 33 फिसदी सहभागिता महिलाओं की है जबकि स्वरोजगार प्राप्त किसानों की 48 फिसदी है खेतों में कार्य करने वाली घर की मुखिया महिलाए पूरे देश में 18 प्रतिशत है। निश्चित तौर पर 1 अप्रैल से आरंभ होने वाली यह परियोजना महिला किसान सशक्तिकरण को और समध्द करेगी।

इस परियोजना के अन्तर्गत प्रस्तावित गतिविधिया –

1. महिला किसानों के कौशल में सुधार एवं कृषि गतिविधिया में सहयोग प्रदान करने की योग्यता को बढ़ाने के उद्देश्य से उनका क्षमता वर्धन ।
2. कृषि संबंधि उत्पादकता वध्दि की तकनिको/उपायों को पर्याप्त महत्व दिया जाना।
3. इस परियोजना के अन्तर्गत अपनाई गई योजना स्थाई कृषि आधारित स्थानिय प्राकतिक संसाधनों की मदद से फलिभूत हो ।
4. परियोजना की गतिविधिया कृषि और इस क्षेत्र के अन्य सम्बधित गतिविधियों के साथ मिश्रित हो सकती है। जिसमें फसल कटाई के बाद की गतिविधियों के साथ कृषि उत्पादों की मूल्य वध्दि और महिलाओं के कार्य क्षेत्र को ध्यान में रखते हुए पशुओं का प्रबंधन आदि को योजना में पर्याप्त महत्व दिया जाएगा ।
5. महिला किसान का बाजार में दखल बढ़ाना इस परियोजना का मुख्य उद्देश्य होना चाहिए बाजार की जानकारी फसल कटाई के बाद की गतिविधिया, ग्राम स्तरीय मूल्य वर्धन भी प्रदर्शित होना चाहिए। महिला किसान को बाजार की पहुच में सुधार एक महत्वपूर्ण कारण इस परियोजना के तहत है।

कार्यक्रम में उपस्थित महिलायें

कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं को संबोधित करते हुये विधायिका श्रीमती ललीता यादव

कार्यक्रम में उपस्थित अतिथि

कार्यक्रम अखबारों की सुखियों में

स्टार समाचार सतना, मंगलवार, 19 जून 2012

महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना का शुभारंभ

महिलाओं से किया गया सशक्त बनने का आव्हान

महिला किसान सशक्तिकरण परियोजना का शुभारंभ होटल रीजेन्सी में एक्शन फॉर सोशल एडवांसमेंट (आसा) द्वारा किया गया। आसा संस्था द्वारा क्रियान्वित परियोजना के उदघाटन समारोह की मुख्य अतिथि छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव थीं।

■स्टार समाचार | छतरपुर

उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद एक हजार महिलाओं को महारानी लक्ष्मीबाई का उदाहरण देते हुए बुंदेलखण्ड की महिलाओं को परियोजना के माध्यम से सशक्त बनाने का आव्हान किया। उन्होंने कहा कि बुंदेलखण्ड की महिला वीरांगना लक्ष्मीबाई है। वह पूरे वर्ष खेती किसानी का कार्य करती है बल्कि किसान महिला नहीं पुरुष कहलाता है। पुरुष के नाम जमीन होती है उसका मालिकाना हक होता है। इसलिए वह किसान कहलाता है। महिलाओं के नाम जमीन नहीं होती इसलिए आज तक महिला किसान नहीं बन पाईं। ...चके द्विवेदी ने महिलाओं से ...गठित होने की अपील करते हुए ...हा कि महिला शक्ति को ...रियोजना के द्वारा सशक्त किया ...एगा ताकि वर्षभर उन्हें मजदूरी पर नहीं जाना पड़े। वे अपने बच्चों का भरण पोषण अपने आप कर सकें। आसा के टीम लीडर प्रवीण शर्मा ने परियोजना के बारे में बताते हुए कहा कि इस परियोजना के द्वारा लगभग 350 स्व सहायता समूहों का गठन कर सैकड़ों परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा। यह परियोजना छतरपुर जिले के नौगांव और बिजावर में संचालित होगी। इस परियोजना के द्वारा महिलाओं को संगठित कर महिला प्रोड्यूसर कम्पनी का गठन भी किया जाएगा। इस कम्पनी के माध्यम से कृषि आदानों जैसे खाद, बीज, कीटनाशक दवाएं एवं कृषि उपकरणों को कम कीमत पर उपलब्ध कराया जाएगा। महिलाओं द्वारा संचालित कम्पनी पर मालिकाना हक भी महिलाओं का होगा। परियोजना के माध्यम से प्रदर्शन, प्लाट, कुएं, स्टापडेम आदि का निर्माण किया जाएगा। पूर्ण परियोजना का संचालन स्व सहायता समूह करेंगे। परियोजना के उदघाटन समारोह में कृषि विभाग के बीपी सिंह ने अपने विभाग की समस्त योजनाओं की जानकारी दी तथा तेजस्वनी डीपीएम संदीप सोनी ने भी अपनी परियोजना की जानकारी देते हुए महिलाओं से एकजुट होने की अपील की।

कृषि विज्ञान केन्द्र की समन्वयक श्रीमती वीणपाणी ने महिलाओं को एकीकृत कृषि तथा फलोद्यान के गुर सिखाए। डीपीआईपी के अशोक ठाकुर ने सब्जी उत्पादन की जानकारी दी। समाराहे में आसा के पदाधिकारी अजय गुप्ता, अनिल शर्मा, जेपी त्रिवेदी, धीरेन्द्र ताम्रकार, सत्यजीत शुक्ला, विपिन तिवारी, मनोज पाठक, सुषमा विश्वकर्मा, आशीष, महेन्द्र वासुदेव, गणेश कड़वे तथा समस्त कार्यकर्ता मौजूद थे।

सच कहने का साहस और सलीका

राज एक्सप्रेस

छतरपुरभास्कर

मंगलवार सागर 19 जून 2012

समूह बनाकर देंगे महिला किसानों को लाभ

आयोजन | महिला किसान परियोजना का शुभारंभ, जिले के दो विकासखंडों में होगा योजना के तहत काम

महिला किसान सशक्तिकरण योजना के शुभारंभ करतीं विधायक ललिता यादव।

स्वयं सेवी संस्था के टीम लीडर प्रवीण शर्मा ने बताया कि परियोजना के द्वारा 350 स्वसहायता समूहों का गठन कर 4000 परिवारों को लाभान्वित किया जाएगा।

इस परियोजना के द्वारा महिलाओं की संगठित महिला प्रोड्यूसर कंपनी का गठन भी किया जाएगा। इस कंपनी के माध्यम से कृषि के लिए खाद, बीज, कीटनाशक दवाएं एवं कृषि उपकरण कम कीमत में दिलाए जाएंगे। कार्यक्रम में कृषि विभाग के बीपी सिंह, तेजस्वनी डीपीएम संदीप सोनी ने भी जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी। कृषि विज्ञान केंद्र के समन्वयक वीणापानी, डीपीआईपी के अशोक ठाकुर सहित आशा के विभिन्न पदाधिकारी उपस्थित थे।